

पान

हेम बाबू	काम रिसाऊ मैकर्म या अंक अपसर
सरोज	हेम बाबू से लुगाई
बाबूगाम	हेम बाबू से संगठित्यो
चौखटामंद	अंक नेता
राजू	अंक बी. ओ. पास बेकार
(चपड़ासी, उम्मेदवार वगैर)	

आंपणै खास आदमी

—बैजनाथ पैवार

पैलो दरसाव

(सुबै से दैम हेम बाबू आपरै घर में बैठा पेटिया सुणै है। अंक पसवाई चांते अंक टाबर भिनकी सु किलोका करै है। दूजी कानो सरोज पोधी रा पानड़ा उधेके। इते में फोन से घंटी बाबै। हेम बाबू रिसीवर उठार कान सूं लगाने।)

हेम बा— हा, हा, मई हेम बाबू बोलू हूं। कुण बाबू राम ? अरे भाई कई हाल चाल है ? — है ? — हा वो तो है ई। बोली कीकर याद फरमाई ? म्हारी लायक कोई सेवा चाकरो हुवे तो बोली। (सुण मै) हा, हा, बोल भाई ! धारो काम तो करणोई पड़सी। भैछा रमियोडा लंगोटिया पार हां। हं हं हं (हसे पछे ध्यान सूं सुण मै) हा— टीक टीक— नही, नही, भूल कीकर (बाउऊ) भाई ! म्हने याद है। अच्छा, नमस्ते (रिसीवर पर देवे)।

सरोज— कई बात है ?

हेम— बात कई होवे, आ ई सिफारस से बात है। आज इम्पेक्टरा से इंटरव्यू है क ? कैवै के सोचन नै भेजूं हू जकी ध्यान राख जा। म्हारी खास आदमी है। हमै मई किण से ध्यान राखूं। रावली घोड़ी से अमवार।

सरोज— तो कई है ? मोटा अपसर ली। आपरै आदमी से मतलब पूरो करणोई चाहिने।

हेम— पण हू अब किण नै राजी राखूं नै किण नै बेगजी ? अंक पैटी, नै लगाना वाली बात है रयी है। जगा तो अंक अर खसम सी। (पछे फोन से घंटी बाबै। रिसीवर उठाने नै बात करे हली। हा मई हेम बोल रयी हूं — अच्छा विमल ? बोल भाई, कई बात है ? आज यू सुदियौ सुदियौ कीकर है ? है ? अरे, दूमी कई बात हेगी ? (फेर सुणे) हा— हां, पण भाई विमल ! बात आ है के जगा ती है अंक नै उम्मेदवार है पणा। हमै मई किण नै लूं नै किण नै छोड़ूं ? थूं ई बता। (सुण मै) है ? — खैर देखूला। (रिसीवर पर देवे)

सरोज— औ किण रै वास्तै कैवै है ?

हेम— अरे बाबा, वो पेमगार से छोरो है क ? उणारै वास्तै कै रयी है। कैवै के दो दिनां सूं म्हरा कान खा रयी है के म्हारी सिफारस कर दी।

सरोज— आई तो कैऊं के इंटरव्यू कई औ तो जीव से अंक जवाजा हूयगी। बा सिफारस्यारै आगे तो जान से ध्यारो मंडगी। (ऊठे) ली हमै निपट लूं तो तो मोझी हु जासी। (जावे)।

(पड़ती पड़ै)

दूजी दरसाव

(हेम बाबू आपरै दफतर में बैठा उम्मेदवारों से दरखास्ता पेटै है। इते में चपड़ासी अंक पुरजी लाय र देवे। पुरजी बाबै। चपड़ासी नै बांटे ऊभे मिमख नै भीतर बुलावण से सैण करै। अंक खरर धारो हाथ में झोळी लिया माय बड़ै।)

हेम— (ऊभा हैने) ओ हो ! आप ! पधारो सर, नेताजी। आज भिन घड़ी धिन भाग जिको परे बैठा ई दरसण हैगा। फरमावो, कीकर पधारणो हुवो (कुसो कान सैण करे) बिराजी सा।

चोखटा— (कुसो पर बैठ मै) हू तो अट्टे नैई चाळे दफतर में आयी ली। सोच्यो चानतो बाबूजी से हाजरो भी बजाता चालूं। ली तो घबै मे ?

हेम— हा, सा। नेतावा से किरपा चाहिने। पछे कई बात से डर ? पांचू पो मे अर सिर कड़ाई मे।

बोखटा—हां तो साब, ओक इन्टरव्यू सुणियाँ हो। कद ताई हुवैला ?

हेम—वो तो आगती पेत्ती तारीख नै हूसी। क्यूँ कई बात है ?

बोखटा—औई थोड़ी खाल राखजौ। म्हरे साळै रौ बेटी मोवनौ भी इन्टरव्यू में आवैला। आप घर रा ई आदमी हो आपने कई कैवां। थोड़ी ध्यान राखजौ। आपणौ खास आदमी है।

हेम—ठीक सा। और कोई हुकम चाकरी ?

बोखटा—बस मौज है। तो सीख करूं ? ओक मीटिंग में जावणौ है। हां तो आप भूल मत जाइजौ। आपणौ खास आदमी है। (कैवतौ कैवतौ जावै)।

हेम—(अपणै आप) औ इन्टरव्यू कई हुवौ, जान रौ झगड़ौ मंड गयो। हूं अवै कैवै मे पड़ू कै खड मे ? कथौ अेक, परदेस घणा वाली बात हो रयी है। (इत में फोन री घटी बाबै नै हेम बाबू रिसीवर उठाव नै कान सूं लगावै।)

हेम—हलो ! हां...हां...महै ई हेम बाबू हूं। फरमावौ। कुण ? मंत्री जी रा पी. अे. साब ? हां...हां...फरमावौ कई हुकम है ?इन्टरव्यू तो पैली तारीख नै हुवैला। बोलौ कई करणौ है ?

हेम—(बात सुणनै) ठीक है सा। ध्यान राख सूं...पण साब जगा तो अेक है अर उम्मेदवार—हां, हां...वा तो है ई सा...म्हारी मतलब औ नही है। मिनिस्टर साब रौ हुकम सिर आंख्यां माथै।हां हां, हां...इतौ तो महै ई समझू हूं सा। पण आप भी ओखाणौ नामी सुणायो कै ध्यान नीं राखियाँ तो घर घोसियां रा बळैला पण सुखी तो ऊंदरा ई कोनो हुवै। ठीक सा ऊंदरा नै जीवणौ हूसी तो मिनिस्टर साब रौ खास आदमी ईज लिरीजसी। (रिसीवर धरै)।

(पड़तौ पड़ै)

तीजौ दरसाव

(हेम बाबू री रसोई। हेम बाबू रौ मूंडी उतरियोड़ी है। अळसायोड़ी आंख्यां, धाकौड़ी सरीर। लोळै होळै रोटी रा कौर उगाळै है। सरोज कने बैठी जिमावै। हेम बाबू री उदामी देख र सरोज कैवै।)

सरोज—आज कई बात है ? इत्ती उदामी कीकर ? दफतर में घणौ काम रैवै है कई। यूँ जान देर कमाई कियोड़ी किण काम री ?

हेम—खैर अे तो जीवत जी रै यूँ झगड़ा लागाय रैसी। आज धारै पीर सूँ कमाद आयौ जिण में कई लिखियाँ है ?

सरोज—काकोजी लिखियाँ है कै पैली तारीख नै जकौ इन्टरव्यू हो रयी है, उण में आपणौ ओक खास आदमी नै भेजूं हू सो तै लीजौ। वीत पत्नी अर हुस्वार आदमी है।

हेम—पण जगा तो ओक ई है। यूँ कई जणौ कोनो। किता आदमी लारे पड़ गया है।

सरोज—जकौ कई कै बैठा रैई दूजा। पैली घरका नै लौ। घर रा पुत कबारा होले, पाड़ीसी रा फैरा। आ कटै री रीत है ? काकोजी कई धाने बार बार लिखैला ? औ तो कोई इस्थोई मौकौ आयगौ है।

हेम—यूँ गैली बात कीकर करै ? हू मिनिस्टर साब री बात राखूँ कै धरै काकोजी री ?

सरोज—(रस में आ र) तो मिनिस्टर कोई म्हां सूँ लाटी है ? दूजा मारा बैठा रैवैला। काकोजी रौ आदमी पैली लागणौ चहिजै।

हेम—तो थे म्हनै डरा र काम बणावणौ चावौ हो कई ?

सरोज—(ठरकै सु) हां, औ काम होणौ ईज चहिजै। म्हरे पीर में मां बाप नीं भाई बहन नीं। ओक बापड़ा काकोजी म्हनै पाळ पोस र परणार्ई मुकळई, अर आज उणा रौ अेक जरा सो काम नीं करैला तो हूं वाने भळै कीकर मूंडी दिखऊला ?

(चपड़ासी आवै)

चपड़ासी—बारै अेक छोरौ ऊभो आपरो बाट जोवै है। कई कैऊं ?

हेम—जा कैदै कै हमार जीम र आऊं हूं। ठा'नीं, बापड़ी कोई किता सुगम साज र आयौ हुवैला। (चपड़ासी जावै)

सरोज—हां, तो हूं काकोजी नै कई लिखूं ? कई कैवौ हो ?

हेम—(जावता जावता) ठीक है। हूं बिचार करुला। ओकर वाने की मत लिख। भळै हूं लिख दूला। (अणै ई बड़वाता जावै) और तो बैरी हुवा सो हुवा, अब तो धरावाळी ई स्थान लेवण नै ल्यार हूगी। खैर देखी जावैला ?

मामाजी दाहाद

卷之五

卷之四

卷之六

卷之五

一、此篇係在...

(अथ अत्र) च विदुः श्रुत्वा । अथाहं विदुः स्म

卷一百一十五

一、二、三、四、五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

[illegible]

寶鑑

卷之十

（宋）王禹偁《小畜集》卷之六

卷之五